पाठ 20. इंसाफ़ की डगर

पाठ का परिचय

कवि बच्चों को इंसाफ़ की राह पर आगे बढ़ते चले जाने को कह रहे हैं। देश के प्रति अपनेपन का भाव जगाते हुए कवि बच्चों से कहते हैं कि इस देश के भावी नेता वही हैं। कवि बच्चों को सहनशक्ति बढ़ाकर सच्चाई का सामना करने को कह रहे हैं। कवि का विश्वास है कि एक दिन यही बच्चे इस संसार को बदलकर रख देंगे। कवि कहते हैं कि चाहे कोई अपना हो या पराया, सभी को उचित न्याय मिले, इसका ध्यान रखना। तुम्हारे पैर इंसाफ़ की राह पर चलते हुए डगमगाने नहीं चाहिए। वह कहते हैं कि सदैव इनसानियत के साथ जीवन जीना। ऐसे काम करना जिससे तुम्हें इज़्ज़त प्राप्त हो। भारत की इज़्ज़त के लिए यदि तुम्हें अपने तन की भेंट भी देनी पड़े तो मत हिचकिचाना। एक शहीद की मौत पाकर तुम सदा के लिए अमर हो जाओगे।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

इस गीत के माध्यम से बच्चों में देशप्रेम की भावना जागेगी। इंसाफ़ की राह पर चलने की शिक्षा प्राप्त होगी। वे सच्चाई के साथ आगे बढ़ना सीखेंगे। सबको न्याय मिले, यह भावना उनमें जागेगी। वे देश के प्रति अपने कर्तव्यों को लेकर जागरूक होंगे।

पाठ का वाचन

इस गीत को बच्चे समूहगान के रूप में गाएँ। पहले अध्यापक/अध्यापिका उन्हें गाकर सुनाएँ। संगीत के साथ गीत को गाने से बच्चे आनंद का अनुभव करेंगे। बच्चों को गीत में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएँ। अंत में कविता का सार समझाया जाए।

महत्वपूर्ण चर्चा

नीचे दिए प्रश्नों पर आधारित चर्चा कक्षा में करें –

- बच्चे देश के नेता हैं, ऐसा कवि क्यों कहते हैं?
- दुनिया के रंग से कवि का क्या तात्पर्य है?
- बच्चे संसार को किस प्रकार बदल सकते हैं?
- सबके लिए न्याय किस प्रकार संभव है?
- देश पर कुर्बान होने वाले लोग अमर क्यों हो जाते हैं?